प्रातःकालीन प्रार्थनाएं

यहोवा हमारे परमेश्वर

भजन संहिता लिखनेवाले कहते हैं, "यहोवा **सभों के लिये** भला है, और उसकी दया उसकी **सारी सृष्टि** पर है।" (भजन संहिता 145:9)। इस व्यापक कथन में भौतिक ब्रह्मांड की अधिकतम सीमाएं (सारी सृष्टि) और सबसे दीन, और साथ ही साथ सबसे अधिक महान, जीवित प्राणी (सभों के लिये) शामिल हैं। पूरी सृष्टि उनकी देखभाल में है। यहोवा, हमारे परमेश्वर, पूरे ब्रह्मांड के महान सम्राट हैं, और उनकी बुद्धि, शक्ति, अच्छाई और परोपकार बहुतायत में बराबर मात्रा में इस महान पद की सभी जिम्मेदारियों को निभाने के लिये उनके पास हैं। मनुष्य का मन ऐसे एक व्यक्ति (परमेश्वर) के मानसिक संसाधनों को समझने के अपने प्रयासों में लड़खड़ा जाता है, जो इस तरह की जिम्मेदारी को संभालने और धारण करने में सक्षम हैं। एक पल के लिए उस याददाश्त के बारे में सोचो जो कभी कुछ नहीं भूलता; ऐसे न्याय के बारे में सोचो जो कभी कोई गलत निर्णय नहीं लेता; ऐसे ज्ञान के बारे में सोचो जो असफलता की संभावना के बिना, अनंत काल के लिए योजना बनाता है, और जो उस योजना के पुरे होने के समय को, न चूकने वाली सटीकता के साथ, आने वाले युगों के लिए निर्धारित करता है; उस शक्ति और कौशल के बारे में सोचो, जो हर विरोधी तत्व, यहाँ तक की सजीव या निर्जीव को भी प्रभावित कर सकते हैं, और उन सभी को एक साथ मिलाकर अपनी भव्य योजना को पूरा करने के लिए काम में ला सकते हैं; उस अथक सतर्कता के बारे में सोचो जो कभी भी बंद नहीं होती, और न ही सार्वभौमिक प्रभुत्व के दबाव से राहत चाहती है - जिनकी आँखों में कभी नींद नहीं आती, जिनके कान सदा खुले होते हैं, और जो अपने व्यापक प्रभुत्व की आवश्यकताओं से सदैव अवगत हैं, और अपने व्यापक राज्य के सारे कल्याण में सदैव सक्रिय हैं। R1560